प्रेस विज्ञप्ति

पटना विश्वविधालय के सीनेट हाल में Choice based credit system (CBCS) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में पटना विश्वविधालय के माननीय कुलपति प्रो.गिरीश कुमार चौधरी जी मौजूद रहे.

उन्होंने सबसे पहले पटना विश्वविधालय मे आए नवनियुक्त शिक्षको का स्वागत किया तथा उन शिक्षको से पटना विश्वविधालय को आगे ले जाने की उम्मीद व्यक्त की.

साथ ही उन्होंने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के पहले स्नातक स्तर पर भी CBCS लागू करना अनिवार्य है और इसी को ध्यान में रखते हुए पटना विश्वविद्यालय ने सत्र 2022-23 से लागू करने जा रहा है। यह तभी सम्भव है जब हमारे सम्मानित शिक्षकों का सहयोग मिलेगा। उन्होंने अपने भाषण में CBCS के बारे में बताते हुए विश्वविद्यालय के गरिमामयी इतिहास पर भी प्रकाश डाला और कहा पटना विश्वविद्यालय इस लिए प्रचलित नहीं है कि ये गंगा किनारे है, इसलिए नहीं है कि यहां की बिल्डिंग अच्छी है बल्कि इसलिए ये प्रचलित रहा कि यहां के विद्यार्थियों,यहां के शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र अपना नाम रौशन किया और विश्वविद्यालय को ऊँचाईयों पर ले गए. अंत में उन्होंने रिसर्च की बातों पर जोर देते हुए शिक्षकों के चार मुख्य कार्य को भी रेखांकित किया की कैसे एक शिक्षक को टीचिंग,रिसर्च, एडमिनिस्ट्रेशन और सामाजिक निर्माण में अपना सहयोग देना है.

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए IQAC (पटना विश्वविधालय) के डायरेक्टर डॉ वीरेंद्र प्रसाद ने CBCS पर विस्तृत रूपरेखा पावर पॉइन्ट के माध्यम से प्रस्तुत की.

इसमे उन्होंने बताया कि 26 विषयों का SYLLABUS तैयार किया है इसका क्रेडिट स्कोर 140 है. उन्होंने बताया की आज के समय की जरूरत है स्किल एजुकेशन, जिसमें कई अतिरिक्त विषय भी पढ़ाए जाएंगे. इसमे विद्यार्थियों को अपनी मर्जी के हिसाब से विषय चुनने की आजादी होगी.

उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था पटना विश्वविद्यालय मे इसी सेशन से यानी 2022-23 से लागू होगा.

मौके पर मौजूद प्रति कुलपति ने अपनी बातों को रखा तथा इस व्यवस्था को लागू करने मे आने वाली विभिन्न तरह की बातों को सामने रखा. उन्होंने कहा कि CBCS माध्यम से कोर्स चलाने में विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य का दायित्व ज्यादा बढ़ जाता है क्योंकि उन्हें इस बात पर ध्यान देना होता है कि वर्ग सुचारू रूप से चल रहे या नहीं ।सही समय पर कोर्स खत्म

हो रहा है कि नहीं CIA सही समय पर हो रहा है कि नहीं तभी फाइनल सेमेस्टर परीक्षा हो पायेगा और सत्र सही समय पर समाप्त होकर नया सत्र सही समय पर लागू हो पायेगा।

कार्यक्रम मे आए अतिथियों का स्वागत पटना विश्वविधालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष प्रो.अनिल कुमार ने की. उन्होंने सबका स्वागत करते हुए पटना विश्वविधालय के कुलपति को सभी शिक्षको की ओर से आश्वासन दिया कि सभी शिक्षक विश्वविद्यालय को नयी ऊचाईयों पर ले जाने मे हर सम्भव आपको सहयोग करेंगे।उन्होंने अपने स्वागत भाषण कुलपति का स्वागत करते हुए कहा कि पटना विश्वविद्यालय का समय अच्छा है कि हमें टेक्नोक्रेट कुलपति मिले हैं। इसी कारण कुलपति जी के प्रयास से बहुमंजिला प्रशासनिक भवन एवं शैक्षणिक भवन बनाने की स्वीकृति सरकार द्वारा दे दी गयी है इस पर लगभग 138 करोड़ खर्च होना है जो राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत कर दिया गया है। आपके प्रोत्साहन से ही 110 रिसर्च प्रोजेक्ट शिक्षकों द्वारा विभिन्न संस्थानों में जमा किया गया है। आपके नेतृत्व में पटनां विश्वविद्यालय विकास के राह पर तेजी से बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन पटना विश्वविधालय के कुलसचिव कर्नल कामेश कुमार द्वारा किया गया.

मौके पर कुलानुशासक डॉ रजनीश कुमार, पूटा महासचिव डॉ अभय कुमार,विश्वविद्यालय के संकाय अध्यक्ष,सभी कॉलेज के प्राचार्य,सभी विभागाध्यक्ष,सभी शिक्षक और कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे.

कार्यक्रम का संचालन डॉ अशोक कुमार झा(सहायक प्राध्यापक) द्वारा किया गया

प्रो अनिल कुमार

संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण

पटना विश्वविद्यालय पटना